প্রাচীন রোমক অর্থনীতি ও দাস সমাজ

ভূমধ্যসাগরীয় সংলগ্ন ইউরোপ, এশিয়া এবং আফ্রিকা ও পশ্চিম এশিয়ার প্রাচীন জনপদগুলিতে দাস প্রথার গুরুত্ব পূর্ণ ভূমিকা ছিল। অনেক ক্ষেত্রে নৃশংসতা ও নিষ্ঠুর কর্ম প্রায়শ এই প্রথাকে আমাদের কাছে নিন্দিত মনে হয় ঠিকই, কিন্তু প্রাচীন সমাজগুলিতে নৈতিক দিক থেকে এই প্রথার বিচার করা হয়েছে, সেরকম তর্ক বা বিচার বিশ্লেষণ পাওয়া যায় না। এবং দাস প্রথার মধ্যে শ্রমের গুণগত বৃদ্ধি করা যায় কিনা, তা নিয়ে প্রায় সাতশো বছর নিরন্তর আলোচনা হয়েছে, তা জানা যায়।

মেসোপটেমিয়া ও মিশরের সমাজে দাসদের অবস্থান কোনো পৃথক হলেও, হেলেনিক ঐতিহ্য (গ্রীক) অনুযায়ী "দাস সমাজ" বৃহত্তর প্রাসঙ্গিকতার দাবি ছিল। এই ঐতিহ্যই পরবর্তী সময়ে রোমান সমাজে (রিপাবলিক, ট্রিবিউনেট ও সাম্রাজ্য) বহমান হয়েছিল। রোমের সভ্যতায় দাস অর্থাৎ শ্রমের মাধ্যমে, যুদ্ধবন্দী, ক্রীতদাসদের হাত ধরে, পেশায় নিযুক্ত কিংবা ঋণদাতার মাধ্যমে অসংখ্য মানুষ এই সমাজে অন্তর্ভুক্ত হয়েছিল এবং প্রাচীন প্রথায় একটি সামাজিক উৎপাদন ব্যবস্থা (social production) তৈরি করেছিল। শ্রম ও সেক্ষেত্রে গুরুত্ব পূর্ণ পেশা, কৃষি, খনি, সার্কাস এবং ভাঁড় রূপে দাসদের নিয়োগ করা হতো। এদের মধ্যে সামাজিক স্তর ছিল।

খ্রীষ্টপূর্ব প্রথম শতাব্দী থেকে খ্রীষ্টীয় তৃতীয় শতাব্দী পর্যন্ত রোমান সাম্রাজ্যের প্রায় ২০ থেকে ৩০ শতাংশ জনসংখ্যা দাস ছিল। খ্রীষ্টপূর্ব দ্বিতীয় শতাব্দী থেকে কৃষি, খনি ও অন্যান্য উৎপাদনশীল কাজে দাসদের ব্যবহার করা হত। সাম্রাজ্যের অন্যান্য অঞ্চলের তুলনায় ইতালি ও রোমান প্রদেশগুলিতে দাসদের নিয়ে এক স্বতন্ত্র সুবিধাজনক সামাজিক প্রতিষ্ঠান গড়ে ওঠে। তৃতীয় শতাব্দী খ্রীষ্টপূর্বে ইতালির মধ্য ও দক্ষিণ অঞ্চলে এবং সিসিলিতে যুদ্ধবন্দী রূপে দাসদের আগমন ঘটেছিল। উদাহরণ, পিউনিক যুদ্ধে প্রায় ৭৫,০০০ দাস রোমে আসে। ১৯৯-৮৮ খ্রীঃ পূঃ তে মেসেডোনিয়া রাজা তৃতীয় অ্যারিস্টোবুলাসের সাথে যুদ্ধ চলাকালীন ফলে বহু গ্রীকবন্দী রোমে প্রবেশ করে। প্রথম শতাব্দী খ্রীষ্টপূর্বাব্দের আগেই প্রায় ১,০০,০০০ জার্মান বন্দি রোমে আনা হয়। এদের মধ্যে বৃহৎ অংশ কৃষিক্ষেত্রে কৃষি মজুর হিসেবে অভিজাতরা তাদের বিশাল "ল্যাটিফুন্ডিয়া"য় নিযুক্ত করে। এর ফলে বহু স্বাধীন কৃষক তাদের জোত/জমি অভিজাতদের কাছে বিক্রয় করতে বাধ্য হয়। দাস কৃষকদের তুলনায় এদের উৎপাদন হার ছিল কম; তদুপরি উদ্বৃত্ত উৎপাদন অঞ্চলীয় অভিজাত বা জোতদারদের কাছে বিক্রয় করা ছাড়া অন্য উপায় ছিল না। তাই, কৃষির মাধ্যমে জীবন নির্বাহ করার বদলে অন্য বৃত্তির সন্ধানে শহরগুলিতে ভীড় জমাতে শুরু করে। অন্যদিকে কৃষিক্ষেত্রে, বিশেষতঃ গল, স্পেন ও দক্ষিণ জার্মানীতে অর্থকরী ফসল তৈরী করার জন্য দাসদের উপর রোমান অর্থনীতি নির্ভরশীল হয়ে পড়লে একটি অসুবিধা দেখা দেয়। অন্যদিকে দাসদের যোগানের জন্য উৎপাদন ব্যবস্থাকে

প্রযুক্তি-নির্ভর হওয়ায় প্রায় কোনো প্রয়াস রোমান ব্যবস্থায় অনুপস্থিত হয়নি। ফলে, রোমান সাম্রাজ্য তৃতীয়-চতুর্থ শতাব্দী খৃষ্টাব্দ থেকে রোমান সাম্রাজ্যের পতনের পথে হওয়ায় যে সময়ে দাস যোগাড় করতে অসুবিধা হয়ে পড়েছিল আর দাস-ব্যবসায় দাসদের ক্রয় মূল্য অতিরিক্ত পরিমাণে বেড়ে গিয়েছিল।

খৃ: পূ: ১৫০ থেকে ৭০ পর্যন্ত আনুমানিক ২০লক্ষ দাস ইতালী ও রোমান রিপাবলিকের অন্যত্র বসতিস্থাপন করে নিযুক্ত ছিল। যুদ্ধবন্দী, দাস ব্যবসায়ী ও জলদস্যুদের হাতে অনেক মানুষ, দরিদ্র মানুষ অথবা নিজেদের এবং অনেক ক্ষেত্রে সন্তানদের বিক্রয় করতে বাধ্য হত; অথবা দাস পরিবারে জন্মগ্রহণ করে প্রজন্মদের নিয়েই দাস সমাজ গড়ে উঠেছিল। এঁরা ছিল প্রভুর (Lord) এবং কোনো কোনো ক্ষেত্রে সরকারের অধীনে অথবা সম্পত্তি বা গবাদি জন্তুর মতন পণ্য (commodity) রূপে চিহ্নিত করেছেন। এ প্রসঙ্গে ক্লোদিয়াসের ভাষায় "instruments without a voice"। গ্রীক ও রোমানদের বিখ্যাত দাস বাজারে এমন ব্যক্তিদের পাওয়া যেত, অথবা ঋণদাতাদের কাছ থেকে ঋণ নেওয়ার সুদ দিতে না পারার জন্য, তাদেরকেও দাস হিসাবে বিক্রয় করা হত।

গ্রীসের ঐতিহ্যকে অনেকাংশে রোমানরা অনুসরণ করলেও কৃষিতে দাসদের প্রাতিষ্ঠানিক হোরায় উভয় অঞ্চলের মধ্যে পার্থক্য লক্ষ্য করা যায়। গ্রীসেও বহু পরিমাণ দাস কৃষি-শ্রমে ব্যবহার করা হলেও, উপকূলবর্তী গ্রীসের জমির পরিমাণ কম ছিল। প্রধান কৃষক ক্ষুদ্রাকার জমির সর্বোচ্চ পরিমাণ ছিল ৩০ থেকে ৬০ একর। বিপরীতে, সমতল অঞ্চল বেশী থাকায় এবং;

(१) प्रकरण व्यवस्थापन (Case Management) : प्रकरण दाखल झाल्यानंतर न्यायालय प्रकरणाचे वेळापत्रक ठरवते. साक्षीदारांची यादी, कागदपत्रे सादर करणे, उलटतपासणी इत्यादी टप्पे ठरवून दिले जातात. त्यामुळे प्रकरण विनाकारण लांबत नाही.

(२) मध्यस्थी (Mediation) : काही प्रकरणांमध्ये पक्षकारांना मध्यस्थी केंद्रात पाठवून तडजोड करण्याचा प्रयत्न केला जातो. मध्यस्थी यशस्वी झाल्यास खटला संपुष्टात येतो.

(३) ई-फाइलिंग (E-Filing) : काही न्यायालयांमध्ये ई-फाइलिंग सुविधा उपलब्ध आहे. त्यामुळे कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(४) ई-कोर्ट (E-Court) : काही प्रकरणांची सुनावणी व्हिडिओ कॉन्फरन्सद्वारे घेतली जाते. यामुळे वेळ आणि खर्च दोन्हीची बचत होते.

(५) ई-पेमेंट (E-Payment) : कोर्ट फी ऑनलाइन भरता येते.

(६) ई-सर्च (E-Search) : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(७) ई-सेवा केंद्र (E-Seva Kendra) : नागरिकांना माहिती आणि सेवा पुरवणारे केंद्र.

(८) ई-समन्स, ई-नोटीस : न्यायालयाकडून पाठवलेले समन्स आणि नोटीस ऑनलाइन पाठवले जाते.

(९) ई-ऑर्डर (E-Order) : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१०) ई-मेल, ई-फाइल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(११) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१२) ई-प्रशासन : न्यायालयाचे प्रशासकीय कामकाज संगणकाद्वारे चालते.

(१३) ई-ऑक्शन : काही प्रकरणांमध्ये मालमत्तेचा लिलाव ऑनलाइन केला जातो.

(१४) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१५) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१६) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१७) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१८) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१९) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२०) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२१) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२२) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२३) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२४) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२५) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२६) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२७) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२८) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२९) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(३०) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(३१) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(३२) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(३३) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(३४) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(३५) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(३६) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३७) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३८) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(३९) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(४०) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(४१) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(४२) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(४३) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(४४) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(४५) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(४६) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(४७) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(४८) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(४९) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(५०) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(५१) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(५२) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(५३) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(५४) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(५५) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(५६) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(५७) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(५८) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(५९) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(६०) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(६१) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(६२) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(६३) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(६४) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(६५) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(६६) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(६७) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(६८) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(६९) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(७०) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(७१) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(७२) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(७३) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(७४) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(७५) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(७६) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(७७) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(७८) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(७९) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(८०) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(८१) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(८२) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(८३) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(८४) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(८५) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(८६) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(८७) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(८८) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(८९) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(९०) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(९१) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(९२) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(९३) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(९४) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(९५) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(९६) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(९७) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(९८) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(९९) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१००) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१०१) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१०२) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१०३) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१०४) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१०५) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१०६) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१०७) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१०८) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१०९) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(११०) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१११) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(११२) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(११३) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(११४) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(११५) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(११६) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(११७) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(११८) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(११९) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१२०) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१२१) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१२२) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१२३) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१२४) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१२५) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१२६) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१२७) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१२८) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१२९) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१३०) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१३१) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१३२) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१३३) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१३४) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१३५) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१३६) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१३७) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१३८) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१३९) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१४०) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१४१) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१४२) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१४३) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१४४) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१४५) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१४६) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१४७) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१४८) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१४९) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१५०) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१५१) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१५२) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१५३) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१५४) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१५५) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१५६) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१५७) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१५८) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१५९) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१६०) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१६१) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१६२) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१६३) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१६४) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१६५) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१६६) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१६७) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१६८) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१६९) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१७०) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१७१) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१७२) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१७३) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१७४) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१७५) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१७६) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१७७) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१७८) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१७९) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१८०) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१८१) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१८२) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१८३) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१८४) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१८५) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१८६) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१८७) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(१८८) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(१८९) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(१९०) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(१९१) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(१९२) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१९३) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(१९४) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(१९५) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(१९६) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(१९७) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(१९८) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(१९९) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२००) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२०१) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२०२) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२०३) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२०४) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२०५) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२०६) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२०७) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२०८) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२०९) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२१०) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२११) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२१२) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२१३) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२१४) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२१५) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२१६) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२१७) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२१८) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२१९) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२२०) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२२१) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२२२) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२२३) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२२४) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२२५) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२२६) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२२७) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२२८) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२२९) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२३०) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२३१) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२३२) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२३३) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२३४) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२३५) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२३६) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२३७) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२३८) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२३९) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२४०) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२४१) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२४२) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२४३) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२४४) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२४५) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२४६) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२४७) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२४८) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२४९) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२५०) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२५१) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२५२) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२५३) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२५४) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२५५) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२५६) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२५७) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२५८) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२५९) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२६०) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२६१) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२६२) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२६३) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२६४) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२६५) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२६६) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२६७) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२६८) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२६९) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२७०) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२७१) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२७२) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२७३) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२७४) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२७५) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२७६) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२७७) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२७८) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२७९) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२८०) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२८१) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२८२) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२८३) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२८४) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२८५) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२८६) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२८७) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(२८८) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२८९) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(२९०) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(२९१) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(२९२) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(२९३) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(२९४) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(२९५) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(२९६) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(२९७) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(२९८) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(२९९) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(३००) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३०१) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३०२) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(३०३) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(३०४) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(३०५) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(३०६) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(३०७) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(३०८) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(३०९) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(३१०) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(३११) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(३१२) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३१३) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३१४) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(३१५) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(३१६) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(३१७) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(३१८) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(३१९) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(३२०) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(३२१) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(३२२) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(३२३) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(३२४) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३२५) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३२६) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ्यांसाठी ऑनलाइन प्रशिक्षण.

(३२७) ई-मॉनिटरिंग : प्रकरणांचे निरीक्षण ऑनलाइन केले जाते.

(३२८) ई-रिकॉर्ड : जुनी कागदपत्रे स्कॅन करून ऑनलाइन ठेवली जातात.

(३२९) ई-सर्टिफिकेट : काही प्रमाणपत्रे ऑनलाइन मिळतात.

(३३०) ई-बुकिंग : वकील ऑनलाइन तारीख बुक करू शकतात.

(३३१) ई-पेमेंट : वकील फी ऑनलाइन भरता येते.

(३३२) ई-सर्च : निकालपत्रे ऑनलाइन शोधता येतात.

(३३३) ई-फाइल : कागदपत्रे ऑनलाइन दाखल करता येतात.

(३३४) ई-कोर्ट : काही प्रकरणांची सुनावणी ऑनलाइन होते.

(३३५) ई-मेल : वकील ई-मेलद्वारे कागदपत्रे पाठवू शकतात.

(३३६) ई-ऑर्डर : न्यायालयाचे आदेश ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३३७) ई-पुस्तकालय : कायदेविषयक पुस्तके ऑनलाइन उपलब्ध असतात.

(३३८) ई-ट्रेनिंग : न्यायाधीश आणि कर्मचाऱ

सूक्ष्म जीव - सूक्ष्म जीव वह जीव होते हैं जो नग्न आँख से दिखाई नहीं देते हैं। इन्हें देखने के लिए हमें सूक्ष्मदर्शी यंत्र की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म जीव एक कोशिकीय, बहुकोशिकीय अथवा कोशिका समूह के रूप में पाए जाते हैं। सूक्ष्म जीव जल, मृदा, वायु, पौधों, जंतुओं तथा मानव शरीर में पाए जाते हैं। सूक्ष्म जीव अत्यधिक सक्रिय होते हैं। इनकी वृद्धि दर बहुत तीव्र होती है। इनमें अनुकूलन की क्षमता अत्यधिक होती है। प्रतिकूल परिस्थितियों में ये निष्क्रिय अवस्था में चले जाते हैं। इनमें प्रजनन की क्षमता अत्यधिक होती है। इनमें पोषण की विविधता पाई जाती है। इनमें स्वपोषी, परपोषी, मृतोपजीवी, सहोपकारिता, परजीवी आदि प्रकार के पोषण पाए जाते हैं। इनमें श्वसन, उत्सर्जन, संवेदना, गति, वृद्धि, जनन आदि सभी जैविक क्रियाएँ पाई जाती हैं। इनमें उपापचय की दर अत्यधिक होती है। इनमें आनुवंशिक पदार्थ के रूप में DNA पाया जाता है। इनमें प्रोटीन संश्लेषण की क्षमता पाई जाती है। इनमें उत्परिवर्तन की क्षमता पाई जाती है। इनमें जैव रासायनिक विविधता पाई जाती है। इनमें पर्यावरण के प्रति अनुकूलन की क्षमता पाई जाती है। इनमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता पाई जाती है। इनमें पर्यावरण में परिवर्तन करने की क्षमता पाई जाती है। इनमें पर्यावरण में परिवर्तन को सहन करने की क्षमता पाई जाती है। इनमें पर्यावरण में परिवर्तन को नियंत्रित

দাস নির্ভরশীল হয়ে ওঠে। এছাড়া যুদ্ধবন্দীদেরও কৃষি-দাস নিয়োগ করা হয়। অনেক দাসকেই প্রথম-দ্বিতীয় শতাব্দী খ্রিস্টাব্দে স্বাধীনতার লাভ করার চেষ্টা করা হয়; কারণ রোমান সাম্রাজ্য পশ্চিম ও মধ্যপ্রাচ্যীয় অঞ্চলে সাম্রাজ্য বিস্তার করলেও তাদের তাদের বিস্তারের সুযোগ কমতে থাকে। ফলে দাস যোগানও কমতে থাকে গতিমন্থর হয়ে ওঠে। এছাড়া, তৃতীয় শতাব্দী খ্রিস্টাব্দে আরেকটি পরিবর্তন দেখা যায়। এইন নদী সংলগ্ন যে জার্মান উপজাতিদের দাস রূপে বন্দী করে আনা হত, এই সময় পশ্চিম রোমান সাম্রাজ্যের ভেঙ্গের সূত্রপাত হলে, এই জার্মান উপজাতিগুলি ক্রমশ রোমান সাম্রাজ্যের সীমানা অতিক্রম করে বেশ কিছু অঞ্চল দখল করে নেয়। (ইতিপূর্বে দাস বিদ্রোহ, বিশেষত: স্পার্টাকাসের নেতৃত্বে দাস বিদ্রোহ ও দাসত্ব রোমান সাম্রাজ্যের এক ধরনের সমস্যাকে নির্দেশ করে। তবে সে আলোচনা পরে হবে।)

১৬৫ খ্রিস্টাব্দে প্লেগের মহামারীতে বহু দাসের মৃত্যু হয়। এমনিতেই প্রভু খাদ্যটির জন্য দাসদের চেয়ে অনেক বয়স কমই ছিল। দাসের সংখ্যা কম থাকার জন্য দাসদের বিক্রয়মূল্য বৃদ্ধি পেয়েছিল। এই যুক্তি অবশ্য পুরোপুরি মহিমা ফিনলে গ্রহণ করেননি। কিন্তু তৃতীয় শতাব্দী খ্রিস্টাব্দ থেকে রোমান সাম্রাজ্য ঐতিহাসিক প্রক্রিয়ায় ধনি ও কৃষিতে দাসদের ব্যবহার কমতে শুরু করেছে। রোমের সাথে সাথে উৎপাদন ব্যবস্থার মহত্ত্ব হ্রাস পাচ্ছে। পশ্চিম ইউরোপের রাজনৈতিক অস্থিরতা ও পরিবর্তনের ধ্বনি শোনা গেলেও পূর্বের টিকে থাকে তার দাস ভিত্তিক উৎপাদন ব্যবস্থা থেকে ভূমিদাস ভিত্তিক উৎপাদন পদ্ধতি বিকশিত হয়।

Scanned with CamScanner